जल जीवन मिशन योजना के अन्तगर्त जनपद मीरजापुर में क्रियान्वित की जा रही प्रथम चरण की विभिन्न ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में दिनांक 08.04.2025 को ''विडियो कान्फेसिंग'' के माध्यम से विकास खण्डवार सम्पन्न समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त–

दिनांक 08.04.2025 को जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत कार्यरत कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किये जा रहे कार्यो के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में ''विडियो कान्फेसिंग'' के माध्यम से बैठक आहूत की गयी। उक्त बैठक में श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, मीरजापुर श्री राजेश कुमार गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), समस्त खण्ड विकास अधिकारी, श्री सुनील कुमार, परियोजना प्रबन्धक एन0सी0सी0 लिमिटेड, श्री असगर अली खान, परियोजना प्रबन्धक मेघा इंजीनियरिंग लिमिटेड (तालर प्रोजेक्ट), श्री उत्पल दूबे, परियोजना प्रबन्धक जी0वी0पी0आर0 लिमिटेड, श्री पुनीत गुप्ता, परियोजना प्रबन्धक जी0ए0 इन्फ्रा, श्री सुमन पाण्डेय, परियोजना प्रबन्धक राम्की वाबा (जे0वी0), श्री नीरज मिश्रा, परियोजना प्रबन्धक मल्टीअर्बन लिमिटेड, श्री शशांक शेखर, प्रतिनिधि पी0एम0सी0 एवं श्री सौरभ साहू, प्रतिनिधि टी0पी0आई0 के साथ योजनावार ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध जलापूर्ति की समीक्षा की गयी। समस्त कार्यदायी संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो कि अद्यतन प्रगति निम्नवत् है :–

1. एन0सी0सी0 लिमिटेड :–

- **अहुंगी कलॉ ग्राम समूह पेयजल योजना** :– उक्त पेयजल योजनान्तर्गत कुल 159 ग्रामों के सापेक्ष 05 राजस्व ग्रामों में निर्बाध जलूपर्ति पूरी तरह से बाधित है। खण्ड विकास अधिकारी हलिया के माध्यम से उक्त परियोजना कि सम्बन्धित विकास खण्ड से समीक्षा के दौरान खण्ड विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि राजस्व ग्राम मतवार, भैसोड़ बलाय पहाड़, कुव्हां, लालापुर के पंडितपुर खुर्द, देवहट, दिघिया, बसुरा, गुर्गी एवं सोनगढ़ा में जलापूर्ति कुछ मजरों में तथा पाइप क्षतिग्रस्त होने के कारण जलापूर्ति पूरी तरह से बाधित है ''साथ ही साथ कई राजस्व ग्रामों में जलापूर्ति निरन्तर रूप से नही की जाती है।'' जिस क्रम में कार्यदायी संस्था के द्वारा अवगत कराया गया कि निर्बाध जलापूर्ति न किये जाने वाले राजस्व ग्रामों में 15 दिवस के अन्दर जलापूर्ति चालू कर दी जायेगी। तद्क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उक्त योजना से सम्बन्धित 10 से 20 राजस्व ग्रामों का पंचायत सचिव के माध्यम से जी0पी0एस0 फोटो सहित जॉच आख्या उपलब्ध करावे।

- **महादेव ग्राम समूह पेयजल योजना** :– उक्त पेयजल योजनान्तर्गत कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि कुल 255 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष 255 राजस्व ग्रामों में 80 से 85 प्रतिशत से ऊपर जलापूर्ति की जा रही है। तद्क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा उक्त योजना से सम्बन्धित विकास खण्ड हलिया के कुल 35 राजस्व ग्रामों में पंचायत सचिवों के माध्यम से समस्त ग्रामों की जॉच आख्या जी0पी0एस0 फोटो सहित अपर

जिलाधिकारी (नमामि गंगे) एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रेषित करना सुनिश्चित करें तथा विकास खण्ड नगर के 36 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष राजस्व ग्राम जैकर कला के कोल बस्ती में, राजस्व ग्राम चितांग के यादव बस्ती में, राजस्व ग्राम कठवार के भूरूरोरा बस्ती में, राजस्व ग्राम कोठी के पहाड़ी साइड एवं राजस्व ग्राम महुलार के गौशाला में जलापूर्ति बाधित है। तद्क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी संस्था के परियोजना प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि उक्त समस्त राजस्व ग्रामों में कमियों का निराकरण तत्काल कराते हुये उपरोक्त ग्रामों में निर्बाध जलापूर्ति तत्काल प्रारम्भ करायें।

2. मेघा इंजीनियरिंग :–

- **तालर ग्राम समूह पेयजल योजना** :– उक्त परियोजनान्तर्गत कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि कुल 87 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष 01 राजस्व ग्राम अराजी उर्फ दूबेपुर में निर्बाध जलूपर्ति पूरी तरह से बाधित है। खण्ड विकास अधिकारी राजगढ़ द्वारा अवगत कराया गया कि अराजी रामपुर, दूबेपुर एवं कोठी राजस्व ग्रामों में जलापूर्ति बाधित है तथा राजस्व ग्राम खमहवा जयन्ती एवं लमुआ के कुछ मजरों में निर्बाध जलापूर्ति के लिये सोलर पम्प हेतु निर्देशित किया गया था परन्तु कार्यदायी संस्था द्वारा सोलर पम्प का प्रस्ताव अभी तक प्रेषित नही किया गया। तद्क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी संस्था के परियोजना प्रबन्धक को सोलर पम्प का प्रस्ताव राजस्व ग्राम के मजरावार की सूचना अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) तथा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रेषित करने का निर्देश दिया गया।

- **गोढैरा ग्राम समुह पेयजल योजना** :– उक्त परियोजनान्तर्गत कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि कुल 142 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष 21 राजस्व ग्रामों में निर्बाध जलापूर्ति पूरी तरह से बाधित है तथा 13 राजस्व ग्रामों में 10-49 प्रतिशत जलापूर्ति की जा रही है। तद्क्रम में विकास खण्ड अधिकारी जमालपुर द्वारा अवगत कराया गया कि चौकिया, दादो, लोहराजपुर, बौकरोद एवं गोढैरा में जलापूर्ति बाधित है। कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि कई राजस्व ग्रामों में ग्राम प्रधान के